

02. ल्हासा की ओर

प्र.1 थोडला के पहले के आखिरी गाँव पहुँचने पर भिखमंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला, जबकि दूसरी बार यात्रा के समय भद्र वेश भी उन्हें स्थान नहीं दिला सका। क्यों?

उत्तर तिब्बत के गाँवों में सभी यात्रियों के लिए एक जैसी व्यवस्था नहीं होती है। जान-पहचान होने पर ठीक जगह मिल जाती थी, वरना भटकना पड़ता था। यात्रियों का आदर-सत्कार करना उन लोगों की उस समय की मनोदशा पर निर्भर करता था। शाम के छः बजे के बाद गाँव के लोग छड़ (मदिरा जैसा पेय पदार्थ) पीकर होश में नहीं रहते, इसलिए वे अंतर नहीं कर पाते कि किसके साथ कैसा आदर-सत्कार करना चाहिए। यही कारण था कि दूसरी बार भद्र वेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका।

प्र.2 उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?

उत्तर उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण वहाँ के लोग बंदूक या पिस्तौल लाठियों की तरह लेकर चलते थे। निर्जन होने के कारण भी वहाँ यात्रियों को डाकुओं का हमेशा भय बना रहता था। सरकार पुलिस और खुफिया विभाग पर ज़्यादा खर्च नहीं करती थी। वहाँ डाकू किसी को भी आसानी से मार देते थे, इसलिए यात्रियों को हत्या और लूटपाट का भय बना रहता था।

प्र.3 लेखक लङ्ङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण पिछड़ गया?

उत्तर लेखक लङ्ङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से इसलिए पिछड़ गया, क्योंकि वहाँ का रास्ता ऊँची चढ़ाई का था और जो घोड़ा मिला था, वह भी सुस्त था एवं धीरे-धीरे चल रहा था। लेखक रास्ता भी भटक गया था, क्योंकि दो रास्ते एक साथ निकल रहे थे। वह गलत रास्ते पर डेढ़ किलोमीटर तक चला गया था। पूछने पर सही रास्ते का पता चला, तब उसने वापस उसी रास्ते पर आकर पुनः सही रास्ते को पकड़ा।

02. ल्हासा की ओर

प्र.4 लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उसके यजमानों के पास जाने से रोका, परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?

उत्तर लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उसके यजमानों के पास जाने से रोका, क्योंकि उसे वहाँ लगभग एक सप्ताह लग सकता था और लेखक के पास उतना समय इंतजार करने के लिए नहीं था, परंतु दूसरी बार इसलिए नहीं रोका, क्योंकि लेखक को बुद्धवचन के अनुवाद की मूल्यवान हस्तलिखित पोथियाँ मिल गई थीं, जिनका अध्ययन लेखक एकांत में करना चाहता था।

प्र.5 अपनी यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

उत्तर अपनी तिब्बत यात्रा के दौरान लेखक को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा; जैसे-लेखक को भिखारी के वेश में यात्रा करनी पड़ी, रास्ते में वह अपने साथियों से बिछड़ गया, क्योंकि वह रास्ता भटक गया था। उसे अपना सामान स्वयं पीठ पर ढोना पड़ा, अधिक ठंड और कड़ी धूप का सामना करना पड़ा, लौटते समय ठहरने के लिए अच्छा स्थान नहीं मिला आदि।

प्र.6 प्रस्तुत यात्रा वृत्तांत के आधार पर बताइए कि उस समय का तिब्बती समाज कैसा था?

उत्तर प्रस्तुत यात्रा वृत्तांत के आधार पर उस समय का तिब्बती समाज खुले विचारों वाला था। वहाँ किसी प्रकार का सामाजिक भेदभाव और छुआछूत की भावना नहीं थी। स्त्रियों में पर्दा-प्रथा जैसी रूढ़ियाँ नहीं थी। वे धार्मिक चिह्न गंडों (मंत्र पढ़कर गाँठ लगाया हुआ धागा) में विश्वास रखते थे। अपरिचित व्यक्ति भी घर के अंदर तक जा सकता था और अपनी चाय बनवा सकता था। वहाँ के निवासी शाम छः बजे के बाद छड़ पीकर मस्त रहते थे।

प्र.7 "मैं अब पुस्तकों के भीतर था" नीचे दिए गए विकल्पों में से कौन-सा इस वाक्य का अर्थ बतलाता है?

(क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

(ख) लेखक पुस्तकों की शैलफ़ के भीतर चला गया।

02. ल्हासा की ओर

(ग) लेखक के चारों ओर पुस्तकें ही थीं।

(घ) पुस्तक में लेखक का परिचय और चित्र छपा था।

उत्तर (क) लेखक पुस्तकें पढ़ने में रम गया।

रचना और अभिव्यक्ति

प्र.8 सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग लगभग हर गाँव में मिले। इस आधार पर आप सुमति के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का चित्रण कर सकते हैं?

उत्तर सुमति एक मंगोल भिक्षु था। वह दूर-दूर तक गाँव के लोगों के लिए पुरोहित का काम करता था। वह अपने यजमानों में बहुत लोकप्रिय था। उसके यजमान उस पर बहुत श्रद्धा एवं विश्वास रखते थे। सुमति अत्यंत मिलनसार स्वभाव का था। वह बोधगया से गंडे-ताबीज लाकर अपने यजमानों में बाँटता था। अत्यंत व्यवहार कुशल होने के कारण सभी लोग उसका सम्मान करते थे।

प्र.9 "हालाँकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी खयाल करना चाहिए था।" उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार-व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं। आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित, विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर वेशभूषा व्यक्ति का बाह्य आवरण होता है। साधारण वेशभूषा एवं आचार-विचार किसी व्यक्ति के उच्च या निम्न स्तर का परिचायक नहीं होता है। अच्छी वेशभूषा वाला व्यक्ति भी गलत या कुत्सित प्रवृत्ति का हो सकता है। कोई व्यक्ति ज्ञानी या अज्ञानी है, बौद्धिक रूप से उच्चस्तरीय है या निम्न स्तर का है, इसका निर्धारण वेशभूषा के आधार पर करना और उसके अनुसार व्यवहार करना मेरी समझ से उचित नहीं हो सकता है।

प्र.10 यात्रा वृत्तांत के आधार पर तिब्बत की भौगोलिक स्थिति का शब्द चित्र प्रस्तुत कीजिए। वहाँ की स्थिति आपके राज्य/शहर से किस प्रकार भिन्न है?

02. ल्हासा की ओर

उत्तर तिब्बत, भारत और नेपाल के उत्तर में स्थित है। यह समुद्र तल से सोलह-सत्रह हजार फीट की ऊँचाई पर स्थित है। इसके रास्ते ऊँचे-नीचे और निर्जन हैं। दक्षिण की ओर पूर्व से पश्चिम तक हिमालय के बर्फ से ढके हजारों शिखर हैं, जबकि भीटे की ओर दिखने वाले पहाड़ एकदम नग्न हैं। तिडी नामक एक विशाल मैदान है, जो पहाड़ों से घिरा हुआ टापू के समान लगता है। तिब्बत की स्थिति हमारे राज्य/शहर से इसलिए भिन्न है, क्योंकि हमारा राज्य/शहर मैदानी भू-भाग में स्थित है, जबकि तिब्बत पहाड़ी और पठारी भू-भाग है। इसके अतिरिक्त वहाँ की जलवायु भी हमारे राज्य से काफी भिन्न है।

प्र.11 आपने भी किसी स्थान की यात्रा अवश्य की होगी? यात्रा के दौरान हुए अनुभवों को लिखकर प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर छात्र स्वयं करें।

प्र.12 यात्रा वृत्तांत गद्य-साहित्य की एक विधा है। आपकी इस पाठ्यपुस्तक में कौन-कौन-सी विधाएँ हैं? प्रस्तुत विधा उनसे किस प्रकार अलग है?

उत्तर हमारी इस पाठ्यपुस्तक में कहानी, निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, रेखाचित्र एवं यात्रा वृत्तांत विधाएँ दी गई हैं। प्रस्तुत पाठ एक यात्रा वृत्तांत है, इसका मुख्य विषय 'ल्हासा' की यात्रा का वर्णन करना है। यह पाठ यात्रा से आरंभ होकर यात्रा पर समाप्त होता है। इसमें भौगोलिक एवं सामाजिक चरित्र अधिक दर्शाए गए हैं, जबकि कहानी, संस्मरण, रेखाचित्र एवं व्यंग्य में वैयक्तिक स्तर पर मानव चरित्र-चित्रण अधिक होता है। निबंध में विचार-विवेचन होता है। इसीलिए यात्रा वृत्तांत अन्य विधाओं से भिन्न होता है।

Sources: Govindo Sir – Hindi Teacher, BMSSS

Hindi Guide Book